कर्ण और दुर्योधन की दोस्ती के किस्से तो काफी मशहूर हैं कर्ण और दुर्योधन की पत्नी दोनों एक बार शतरंज खेल रहे थे इस खेल में कर्ण जीत रहा था तभी भानुमति ने दुर्योधन को आते देखा और खड़े होने की कोशिश की दुर्योधन के आने के बारे में कर्ण को पता नहीं था इस लिए जैसे ही भानुमति ने उठने की कोशिश की कर्ण ने उसे पकड़ना चाहा भानुमति के बदले उसके मोतियों की माला उसके हाथ में आ गई और वह टूट गई दुर्योधन तब तक कमरे में आ चुका था दुर्योधन को देख कर भानुमति और कर्ण दोनों डर गए कि दुर्योधन को कहीं कुछ गलत शक ना हो जाए मगर दुर्योधन को कर्ण पर काफी विश्वास था उसने सिर्फ इतना कहा कि मोतियों को उठा लें